

古詩三百首

注注今挿
音解釋圖



注音解
注釋

今圖

古詩三百首



1994 · 大連

选注 韦凤娟
插图 张喜忠
译 林泽妹
责任编辑 吴成训
封面设计 许文彦
黄华斌

注音 注解 今释 插图

古诗三百首

大连出版社出版 新华书店经销
(大连市中山区大公街 23 号) 北京昌平三工印刷厂印刷

字数:600 千字 开本:787×1092 1/32 印张:19.375 插页:4
印数 5 001—1 2000 册

1994 年 1 月第 1 版 1994 年 4 月第 2 次印刷

登记号:(辽)第 15 号 ISBN7-80555-813-2-1 • 162

定价:12.00 元

编者的话

我们中华民族有悠久而光辉灿烂的文化传统。几千年来，它浸润着人们的心灵，陶冶着人们的情操，养育了一代又一代中华儿女。汉语古典文学，是这传统的一个非常重要的组成部分，一座珍藏无数、美丽神奇的宝库。然而，千古一瞬，沧海桑田，历史在不断变迁。古人的生活，古人的思想，古人的习惯，尤其是古人的语言，对于今人来说都变化极大，已使人感到很陌生了。不要说是涉世未深的青少年，就是许多成年人，直接阅读中国古典文学原著，也会感到相当吃力。可以说，在今人和古人之间，特别是在七十年代以后出生成长的青少年与中国古典文学之间，实际上早已出现了一条断裂的鸿沟。它极大地妨碍了中华儿女对自己民族优秀文化传统的继承。

我们渴望越过这鸿沟，为祖国的未来架起一条走进传统文化宝藏的桥梁。于是，便有了这套《青少年古典文学修养丛书》的问世。

本丛书的选注者，都是长期从事中国古典文学研究的专家学者。扫除语言障碍，向广大青少年朋友普及优秀的汉语古典文学，是本丛书的宗旨。因此收入本丛书的作品，全都根据青少年读者的特点重新筛选过，内

容清新，程度适中。其注释通俗易懂，且有白话翻译。其注音则字字皆注。为了帮助读者理解作品，我们还为每一首作品都配了插图，以直观形象“解释”、描绘其丰富多彩的意境。

作为编者，我们真诚希望广大青少年朋友（甚至成年读者）喜欢这套书，从中国古老的文化传统中开掘出更多的宝藏。

1993年7月

目 录

《诗经》

| | | |
|---|------|------|
| 1 | 式微 | (2) |
| 2 | 相鼠 | (4) |
| 3 | 君子于役 | (6) |
| 4 | 采葛 | (8) |
| 5 | 旄丘 | (10) |
| 6 | 风雨 | (12) |
| 7 | 东门之墠 | (14) |
| 8 | 十亩之间 | (16) |
| 9 | 硕鼠 | (18) |

无名氏

| | | |
|----|-----|------|
| 10 | 孺子歌 | (20) |
|----|-----|------|

刘 邦

| | | |
|----|-----|------|
| 11 | 大风歌 | (22) |
|----|-----|------|

项 翡

| | | |
|----|-----|------|
| 12 | 垓下歌 | (24) |
|----|-----|------|

李 延 年

| | | |
|----|-------|------|
| 13 | 北方有佳人 | (26) |
|----|-------|------|

梁 鸿

| | | |
|----|-----|------|
| 14 | 五噫歌 | (28) |
|----|-----|------|

无名氏古诗

| | | |
|----|---------|------|
| 15 | “行行重行行” | (30) |
|----|---------|------|

| | | |
|----|---------|------|
| 16 | “青青河畔草” | (32) |
|----|---------|------|

| | | |
|----|---------|------|
| 17 | “西北有高楼” | (34) |
| 18 | “涉江采芙蓉” | (36) |
| 19 | “迢迢牵牛星” | (38) |
| 20 | “客从远方来” | (40) |
| 21 | “明月何皎皎” | (42) |
| 22 | “穆穆清风至” | (44) |
| 23 | “十五从军征” | (46) |
| 24 | “新树兰蕙葩” | (48) |
| 25 | “步出城东门” | (50) |
| 26 | 古绝句 | (52) |

汉乐府民歌

| | | |
|----|-------|------|
| 27 | 长歌行 | (54) |
| 28 | 东门行 | (56) |
| 29 | 枯鱼过河泣 | (58) |
| 30 | 悲歌 | (60) |
| 31 | 古歌 | (62) |
| 32 | 怨歌行 | (64) |
| 33 | 上邪 | (66) |
| 34 | 江南 | (68) |
| 35 | 平陵东 | (70) |

曹 操

| | | |
|----|-----|------|
| 36 | 观沧海 | (72) |
| 37 | 龟虽寿 | (74) |

曹 禹

| | | |
|----|-----|------|
| 38 | 杂诗 | (76) |
| 39 | 燕歌行 | (78) |

刘桢

| | | |
|----|-----|------|
| 40 | 赠从弟 | (80) |
|----|-----|------|

| | | |
|-----|------------------|-------|
| 曹 植 | | |
| 41 | 七哀诗 | (82) |
| 42 | 杂诗(高台多悲风) | (84) |
| 43 | 杂诗(南国有佳人) | (86) |
| 44 | 杂诗(仆夫早严驾) | (88) |
| 45 | 杂诗(飞观百余尺) | (90) |
| 46 | 七步诗 | (92) |
| 47 | 泰山梁甫行 | (94) |
| 48 | 野田黄雀行 | (96) |
| 应 场 | | |
| 49 | 别诗 | (98) |
| 嵇 康 | | |
| 50 | 赠秀才入军(良马既闲)..... | (100) |
| 51 | 赠秀才入军(息徒兰圃)..... | (102) |
| 52 | 赠秀才入军(闲夜肃清)..... | (104) |
| 阮 翮 | | |
| 53 | 咏怀(夜中不能寐)..... | (106) |
| 54 | 咏怀(嘉树下成蹊)..... | (108) |
| 55 | 咏怀(平生少年时)..... | (110) |
| 56 | 咏怀(昔闻东陵瓜)..... | (112) |
| 57 | 咏怀(湛湛江水)..... | (114) |
| 58 | 咏怀(驾言发魏都)..... | (116) |
| 傅 玄 | | |
| 59 | 车遥遥篇 | (118) |
| 60 | 吴楚歌 | (120) |
| 61 | 云歌 | (122) |
| 62 | 杂言诗 | (124) |
| 63 | 莲歌 | (126) |

| | | |
|------|-----------------|-------|
| 64 | 昔思君..... | (128) |
| 65 | 美女篇..... | (130) |
| 枣 据 | | |
| 66 | 诗..... | (132) |
| 张 华 | | |
| 67 | 情诗..... | (134) |
| 68 | 诗..... | (136) |
| 陆 机 | | |
| 69 | 班婕妤..... | (138) |
| 司 马彪 | | |
| 70 | 诗..... | (140) |
| 左 思 | | |
| 71 | 咏史诗(郁郁涧底松)..... | (142) |
| 72 | 咏史诗(皓天舒白日)..... | (144) |
| 73 | 咏史诗(荆轲饮燕市)..... | (146) |
| 74 | 招隐诗..... | (148) |
| 75 | 杂诗..... | (150) |
| 张 翰 | | |
| 76 | 思吴江歌..... | (152) |
| 张 协 | | |
| 77 | 杂诗(秋夜凉风起)..... | (154) |
| 78 | 杂诗(朝霞迎白日)..... | (156) |
| 王 赞 | | |
| 79 | 杂诗..... | (158) |
| 郭 惊 | | |
| 80 | 百舌鸟诗..... | (160) |
| 魏晋民谣 | | |
| 81 | 吴孙皓初童谣..... | (162) |

| | | | |
|-----|----|------------------|-------|
| | 82 | 并州歌..... | (164) |
| 李充 | | | |
| | 83 | 送许从诗..... | (166) |
| 熊甫 | | | |
| | 84 | 别歌..... | (168) |
| 杨方 | | | |
| | 85 | 合欢诗..... | (170) |
| 郭璞 | | | |
| | 86 | 诗..... | (172) |
| 庾阐 | | | |
| | 87 | 三月三日临曲水..... | (174) |
| 曹毗 | | | |
| | 88 | 夜听捣衣..... | (176) |
| 孙绰 | | | |
| | 89 | 兰亭诗..... | (178) |
| 赵整 | | | |
| | 90 | 讽谏诗..... | (180) |
| 袁山松 | | | |
| | 91 | 菊诗..... | (182) |
| 吴隐之 | | | |
| | 92 | 酌饮贪泉赋诗..... | (184) |
| 湛方生 | | | |
| | 93 | 还都帆..... | (186) |
| | 94 | 帆入南湖诗..... | (188) |
| 陶渊明 | | | |
| | 95 | 归园田居(野外罕人事)..... | (190) |
| | 96 | 归园田居(种豆南山下)..... | (192) |
| | 97 | 归园田居(怅恨独策还)..... | (194) |

| | | |
|-----|---------------|-------|
| 98 | 移居 | (196) |
| 99 | 杂诗 | (198) |
| 100 | 饮酒(栖栖失群鸟) | (200) |
| 101 | 饮酒(结庐在人境) | (202) |
| 102 | 饮酒(青松在东园) | (204) |
| 103 | 饮酒(故人赏我趣) | (206) |
| 104 | 拟古(仲春遘时雨) | (208) |
| 105 | 拟古(日暮天无云) | (210) |
| 106 | 读《山海经》(孟夏草不长) | (212) |
| 107 | 读《山海经》(精卫衔微木) | (214) |
| 帛道猷 | | |
| 108 | 陵峰采药触兴为诗 | (216) |
| 范 泰 | | |
| 109 | 九月九日诗 | (218) |
| 谢灵运 | | |
| 110 | 豫章行 | (220) |
| 111 | 登江中孤屿 | (222) |
| 112 | 石壁精舍还湖中作 | (224) |
| 113 | 夜宿石门诗 | (226) |
| 114 | 岁暮 | (228) |
| 115 | 答谢惠连诗 | (230) |
| 116 | 东阳溪中赠答诗二首 | (232) |
| 谢惠连 | | |
| 117 | 猛虎行 | (234) |
| 王 微 | | |
| 118 | 四气诗 | (236) |
| 荀 疊 | | |
| 119 | 临川亭诗 | (238) |

| | | |
|-----|-----------------|-------|
| 陆 凯 | | |
| 120 | 赠范晔 | (240) |
| 汤惠休 | | |
| 121 | 江南思 | (242) |
| 122 | 杨花曲 | (244) |
| 123 | 秋风 | (246) |
| 鲍 照 | | |
| 124 | 拟行路难(洛阳名工铸为金博山) | (248) |
| 125 | 拟行路难(泻水置平地) | (250) |
| 126 | 拟行路难(对案不能食) | (252) |
| 127 | 拟行路难(中庭五株桃) | (254) |
| 128 | 拟行路难(君不见少壮从军去) | (256) |
| 129 | 梅花落 | (258) |
| 130 | 学刘公干体 | (260) |
| 131 | 代北风凉行 | (262) |
| 132 | 代夜坐吟 | (264) |
| 133 | 扶风歌 | (266) |
| 134 | 王昭君 | (268) |
| 135 | 中兴歌(白日照前窗) | (270) |
| 136 | 中兴歌(北出湖边戏) | (272) |
| 137 | 中兴歌(梅花一时艳) | (274) |
| 138 | 答休上人菊诗 | (276) |
| 139 | 夜听声 | (278) |
| 140 | 赠傅都曹别 | (280) |
| 141 | 代春日行 | (282) |
| 142 | 赠故人马子乔 | (284) |
| 143 | 可爱诗 | (286) |
| 144 | 采菱歌(惊舲驰桂浦) | (288) |

| | | |
|------------|------------------|-------|
| 145 | 采菱歌(要艳双屿里) | (290) |
| 鲍令晖 | | |
| 146 | 寄行人诗 | (292) |
| 王 倍 | | |
| 147 | 春诗(兰生已匝苑) | (294) |
| 148 | 春诗(风光承露照) | (296) |
| 王 融 | | |
| 149 | 江皋曲 | (298) |
| 150 | 王孙游 | (300) |
| 151 | 秋夜长 | (302) |
| 152 | 咏池上梨花诗 | (304) |
| 153 | 移席琴室应司徒教诗 | (306) |
| 154 | 临高台 | (308) |
| 孔稚珪 | | |
| 155 | 游太平山诗 | (310) |
| 张 融 | | |
| 156 | 别诗 | (312) |
| 谢 胫 | | |
| 157 | 入朝曲 | (314) |
| 158 | 校猎曲 | (316) |
| 159 | 芳树 | (318) |
| 160 | 同王主簿《有所思》 | (320) |
| 161 | 玉阶怨 | (322) |
| 162 | 王孙游 | (324) |
| 163 | 江上曲 | (326) |
| 164 | 游东田 | (328) |
| 165 | 晚登三山还望京邑 | (330) |
| 166 | 之宣城出新林浦向板桥 | (332) |

| | | |
|--------|--------------|-------|
| 167 | 别王丞僧孺 | (334) |
| 168 | 和江丞北戍琅琊城 | (336) |
| 169 | 和王中丞闻琴 | (338) |
| 170 | 铜雀悲 | (340) |
| 171 | 望三湖 | (342) |
| 虞 炎 | | |
| 172 | 玉阶怨 | (344) |
| 陆 厥 | | |
| 173 | 蒲坂行 | (346) |
| 174 | 临江王节士歌 | (348) |
| 刘 绘 | | |
| 175 | 送别歌 | (350) |
| 檀 约 | | |
| 176 | 阳春歌 | (352) |
| 释宝月 | | |
| 177 | 估客乐 | (354) |
| 南朝乐府民歌 | | |
| 178 | 子夜歌(落日出前门) | (356) |
| 179 | 子夜歌(始欲识郎时) | (358) |
| 180 | 子夜歌(欢愁依亦惨) | (360) |
| 181 | 子夜歌(夜长不得眠) | (362) |
| 182 | 子夜歌(谁能思不歌) | (364) |
| 183 | 子夜歌(依作北辰星) | (366) |
| 184 | 子夜四时歌(春风动春心) | (368) |
| 185 | 子夜四时歌(春林花多媚) | (370) |
| 186 | 子夜四时歌(梅花落已尽) | (372) |
| 187 | 子夜四时歌(田蚕事已毕) | (374) |
| 188 | 子夜四时歌(春倾桑叶尽) | (376) |

| | | |
|-----|--------------|-------|
| 189 | 子夜四时歌(白露朝夕生) | (378) |
| 190 | 子夜四时歌(秋风入窗里) | (380) |
| 191 | 子夜四时歌(渊冰厚三尺) | (382) |
| 192 | 子夜四时歌(昔别春草绿) | (384) |
| 193 | 桃叶歌 | (386) |
| 194 | 懊侬歌 | (388) |
| 195 | 采桑度(蚕生春三月) | (390) |
| 196 | 采桑度(春日采桑叶) | (392) |
| 197 | 那呵滩 | (394) |
| 198 | 孟珠 | (396) |
| 199 | 长干曲 | (398) |
| 200 | 绵州巴歌 | (400) |
| 201 | 巴东三峡歌 | (402) |
| 202 | 读曲歌(千叶红芙蓉) | (404) |
| 203 | 读曲歌(折杨柳) | (406) |
| 204 | 读曲歌(日光没已尽) | (408) |
| 205 | 读曲歌(打杀长鸣鸡) | (410) |
| 206 | 莫愁乐(莫愁在何处) | (412) |
| 207 | 莫愁乐(闻欢下扬州) | (414) |
| 208 | 三洲歌 | (416) |
| 209 | 拔蒲 | (418) |
| 310 | 西乌夜飞 | (420) |
| 211 | 乌夜啼 | (422) |
| 212 | 作蚕丝 | (424) |
| 213 | 苏小小歌 | (426) |
| 萧 衍 | | |
| 214 | 春歌 | (428) |
| 215 | 夏歌 | (430) |

| | | |
|-----|----------------------|-------|
| 范 云 | 216 襄阳蹋铜蹄歌 | (432) |
| | 217 送别诗 | (434) |
| | 218 之零陵郡次新亭诗 | (436) |
| | 219 别诗 | (438) |
| | 220 雨思诗 | (440) |
| 江 淹 | 221 咏美人春游诗 | (442) |
| 曹景宗 | 222 华光殿侍宴赋竞病韵诗 | (444) |
| 沈 约 | 223 临高台 | (446) |
| | 224 有所思 | (448) |
| | 225 夜夜曲 | (450) |
| | 226 钓竿 | (452) |
| | 227 别范安成 | (454) |
| | 228 石塘濑听猿 | (456) |
| 柳 挥 | 229 江南曲 | (458) |
| 何 逊 | 230 铜雀妓 | (460) |
| | 231 下方山 | (462) |
| | 232 临行与故游夜别 | (464) |
| | 233 相送 | (466) |
| | 234 与胡兴安夜别 | (468) |
| | 235 慈姥矶 | (470) |
| | 236 富阳浦口和郎上人诗 | (472) |
| | 237 咏春雪寄族人治书思澄 | (474) |

| | | |
|-----|-------------------|-------|
| 吴 均 | | |
| 238 | 胡无人行 | (476) |
| 239 | 有所思 | (478) |
| 240 | 赠王桂阳 | (480) |
| 241 | 边城思 | (482) |
| 242 | 闺怨诗 | (484) |
| 243 | 咏宝剑 | (486) |
| 244 | 山中杂诗 | (488) |
| 刘 竣 | | |
| 245 | 出塞 | (490) |
| 王僧孺 | | |
| 246 | 寄何记室 | (492) |
| 陶弘景 | | |
| 247 | 诏问山中何所有赋诗以答 | (494) |
| 248 | 寒夜怨 | (496) |
| 萧 璞 | | |
| 249 | 饯谢文学 | (498) |
| 王 翡 | | |
| 250 | 入若耶溪 | (500) |
| 刘孝绰 | | |
| 251 | 月半夜泊鹊尾诗 | (502) |
| 刘孝威 | | |
| 252 | 望隔墙花诗 | (504) |
| 徐 媚 | | |
| 253 | 胡无人行 | (506) |
| 萧 纪 | | |
| 254 | 咏鹊 | (508) |
| 萧 纲 | | |